

प्रवेश सं०

१२११६

विषयः

उत्तराधिकारी

कम सं०

२५५

नाम श्रीनीवास

पत्र सं० दक्षिणपल्ली

श्लोक सं०

आमदार: ८.२.४७

विं विवरणम् पु.

पी० एस० यू० पी०--७७ एस० सी० ई०--११५१--५० ०००

009091

प्रनथकार

अक्षर सं० (पंचौ)

१६

पंक्ति सं० (पृष्ठे)

१४

लिपि: १. ना.

आधार: ३।

१६.५२५२



॥ श्री गणेशाय नमः ॥ हरा मन मृष्ट दृष्टि ॥
 महेश्वरान्मः संघटनं ॥ शुद्ध पालयै नमः प्रति
 स्त्रै पश्चं ॥ पिं बाक पालयै नमः आवाहनं ॥ १
 पशुपतये नमः भ्यानं ॥ ॥ धा ये क्लित्संहस्रा
 रजतगिरि निमं चास्त रंडावतं संहस्रा कल्पा ज्वला
 गं परशुरम्य गुहा भीति हस्तं प्रसन्नं पञ्चासमन्ना
 क्षुनम् भूरगणे व्यधिकुर्त्तिवसानं विश्वाप्यं विश्वे
 यं निरिव उभयहृष्टं च इं गिनेत्रश्च ॥ २ ॥
 शधीय द्वितीय नमः ॥ भवाम जलम् ॥
 निमं तद्याय अस्त्रम् ॥ उम्याय शायुम् ॥ भीमाय आका
 शम् ॥ पशुपतये पञ्चासानम् ॥ दशानाय
 त्त्रये म् ॥ हरो महेश्वरै वशुलं पालयि
 नाक धक्षा ॥ शिवः पशुपति श्रैव महादेव
 ति विसर्जनम् ॥ ॥ रति शिव प्रजा ॥ ३ ॥

